PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 9 1 1 2

Time : **1 $^{1}/_{4}$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

पण्हपत्तं – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions. **(50 × 2 = 100 Marks)**

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णास** (50) बहुविकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे** (2) अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति । **(50 × 2 = 100 अंका)**

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) **अंक** हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(50 × 2 = 100 अंक)**

1. The main source of the modern North Indian Languages is
आहुणिय उत्तरभारदीय भासाणं पमुहसोतं अत्थि–
आधुनिक उत्तर भारतीय भाषाओं का मुख्य स्रोत है :
(A) वैदिकभाषा (B) पालि
(C) प्राकृत (D) अपभ्रंश

2. 'Dravyasangrah' is written in this language.
दव्वसंगहो गंथस्स भासा इमा अत्थि :
'द्रव्य संग्रह' इस भाषा का ग्रन्थ है :
(A) मागधी (B) अपभ्रंश
(C) शौरसेनी (D) महाराष्ट्री

3. This text belongs to Śaurseni language :
इमो सोरसेणी भासाए गंथो अत्थि :
यह शोरसेनी भाषा का ग्रन्थ है :
(A) पासणाहचरिड
(B) दशवैकालिक सूत्र
(C) पवयणसारो
(D) उत्तराध्ययन सूत्र

4. महाबन्ध is a part of this Āgama –
महाबन्ध अस्स आगमस्स भागो अत्थि –
महाबन्ध इस आगम का भाग है –
(A) छक्खंडागम
(B) कसायपाहुड चुण्णिसुत्त
(C) उवासगदसाओ
(D) पवयणसारो

5. अणुयोगदार is composed by –
अणुयोगदार गन्थस्स रयणागारो अत्थि –
अणुयोगद्वार ग्रन्थ के रचयिता हैं –
(A) देववाचक
(B) आर्यरक्षित
(C) नेमिचन्द्र
(D) भद्रबाहु

6. कसायपाहुड is composed by –
कसायपाहुड गंथस्स रयणागारो अत्थि –
कसायपाहुड ग्रन्थ के रचयिता हैं –
(A) पुष्पदन्त (B) शय्यंभव
(C) गुणधर (D) कुन्दकुन्द

7. 'त' and 'थ' consonants are changed into 'द' and 'ध' in this Prākrit :
इमम्मि पाइयभासाए 'त' ठाणे 'द' एवं 'थ' ठाणे 'ध' हवइ –
इस प्राकृत में 'त' के स्थान में 'द' तथा 'थ' के स्थान पर 'ध' हो जाता है –
(A) अर्धमागधी
(B) मागधी
(C) शौरसेनी
(D) महाराष्ट्री

8. This is the work of Acārya Śivārya.
इमो आयरिय-सिवारियस्स गंथो अत्थि –
यह आचार्य शिवार्य का ग्रन्थ है –
(A) जंबूदीवपण्णन्ति
(B) भगवती आराधना
(C) महानिसीह
(D) कम्मपयडि

9. लोय विजय is a part of this Āgamā –
लोय विजय अस्स आगमस्स भागो अत्थि –
लोक विजय इस आगम का भाग है –
(A) सूयगडंग
(B) आयारंग
(C) समयसार
(D) कट्टिगेयाणुवेक्खा

10. This part of the work written by Ācārya Bhūtavali :
इमो गंथस्स भागो आयरिय भूतबलिणो निबद्धो अत्थि –
यह ग्रन्थ का भाग आचार्य भूतबलि द्वारा लिखित है –
(A) सद्परूवणा
(B) खुद्दबन्ध
(C) पवयणसारो
(D) तिलोयपण्णत्ति

11. This type of Prākrit has been used mainly in the Nāṭaka of Rājshekhara :
रायसेहरस्स णाडगे मुक्खओ इदं पाइयं पजुत्तं :-
राजशेखर के नाटक में मुख्यत: इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है –
(A) मागधी प्राकृत
(B) शौरसेनी प्राकृत
(C) महाराष्ट्री प्राकृत
(D) पैशाची प्राकृत

12. Read the Unit I & II for the correct match –
पढमं एवं बीये समूहे सुट्ठु - मिलाणत्थं पढ –
प्रथम और द्वितीय समूहों का सही मिलान कीजिए –

I	II
(a) द्वयाश्रयकाव्य	(i) लक्ष्मण गणि
(b) सोरिचरित	(ii) अनन्त हंस
(c) सुपासनाहचरिय	(iii) हेमचन्द्र
(d) कुम्मापुत्तचरियं	(iv) श्रीकण्ठ

Identify the correct match
सुट्ठु मिलाणस्स उत्तरं लिह
सही मिलान की पहचान कीजिए
(A) (a) + (iii) (B) (b) + (ii)
(C) (c) + (iv) (D) (d) + (i)

13. Read the Unit I & II for the correct match –
पढमं एवं बीये समूहं सुट्ठु मिलाणत्थं पढ –
प्रथम एवं द्वितीय समूहों का सही मिलान कीजिए –

I	II
(a) चउप्पन-महापुरिस-चरियं	(i) गुणचन्द्रसूरि
(b) सिरिवासनाहचरियं	(ii) लक्ष्मीलाभगणि
(c) महावीरचरियं	(iii) श्रीलंकाचार्य
(d) वैराग्यरसायनप्रकरण	(iv) देवभद्र

Identify the correct match
सुट्ठु मिलाणस्स उत्तरं लिह
सही मिलान की पहचान कीजिए
(A) (a) + (iii) (B) (b) + (ii)
(C) (c) + (iv) (D) (d) + (i)

14. गउडवहो is a work of this kind –
गउडवहो इमस्स विहाए गंथं अत्थि –
गउडवहो इस विधा का ग्रन्थ है –
(A) चरित ग्रन्थ
(B) सट्टक
(C) ऐतिहासिक महाकाव्य
(D) आगम

15. सिरिविजयचंद केवलिचरियं is a work of this kind –

सिरिविजयचंद केवलिचरियं इमस्स विहाए गंथं अत्थि –

सिरिविजयचंद केवलिचरियं इस विधा का ग्रन्थ है –

(A) चरितकाव्य

(B) खण्डकाव्य

(C) चम्पूकाव्य

(D) महाकाव्य

16. समयसार is composed in this Prākrit Language.

समयसार गंथो इमाएपांइय भासाए अत्थि –

समयसार ग्रन्थ इस प्राकृत भाषा में निबद्ध है –

(A) महाराष्ट्री

(B) शौरसेनी

(C) पैशाची

(D) अर्धमागधी

17. वज्जालग्गं is composed in this Prākrit Language –

वज्जालग्गं गंथं इमाए पाइय भासाए अत्थि –

वज्जालग्गं ग्रन्थ इस प्राकृत भाषा में निबद्ध है –

(A) शौरसेनी

(B) अर्धमागधी

(C) मागधी

(D) महाराष्ट्री

18. सेतुबंध is a work of this kind –

सेतुबंध इमस्स विहाए गंथं अत्थि –

सेतुबंध इस विधा का ग्रन्थ है –

(A) आगमग्रन्थ

(B) चरितग्रन्थ

(C) महाकाव्य

(D) चम्पूकाव्य

19. The name of the script of Aśokan inscription at Śahābājagarhī is :

साहबाजगणीत्थले उवलद्धं असोग-सिलालेहस्स लिवि इमा अत्थि –

शाहबाजगढी में उपलब्ध अशोक के शिलालेखों की लिपि यह है –

(A) कन्नड़ (B) ब्राह्मी

(C) खरोष्ठी (D) शारदा

20. The period of King Aśokás inscriptions is this :

असोगणिवस्स अहिलेहाण इमो कालो अत्थि

अशोक राजा के अभिलेखों का समय यह है –

(A) तृतीय शताब्दी ई. पू.

(B) चतुर्थ शताब्दी ई. पू.

(C) तृतीय शताब्दी ई. सन्

(D) चतुर्थ शताब्दी ई. सन्

21. The main language of Aśokás Girnar inscriptions is this :

असोगस्स गिरनार सिलालेहाण पमुह भासा इमा अत्थि –

अशोक के गिरनार शिलालेखों की प्रमुख भाषा यह है –

(A) अर्धमागधी प्राकृत

(B) महाराष्ट्री प्राकृत

(C) शौरसेनी प्राकृत

(D) मागधी प्राकृत

22. The author of Karpūramañjarī is :

कर्पूरमंजरी गंथस्स लेहगो अत्थि :

कर्पूरमंजरी ग्रंथ का लेखक है :

(A) घनश्याम (B) प्रवरसेन

(C) रामपाणिवाद (D) राजशेखर

23. The type of Karpūramañjarī in the Prākrit literature is this :

पाइय साहिच्चे कप्पूरमंजरीअ इमा विहा अत्थि:

प्राकृत साहित्य में कर्पूरमंजरी की यह विद्या है :

(A) नाटक

(B) सट्टक

(C) चरित

(D) महाकाव्य

24. जे णवस्स तिउसस्स कंटआ जे कदंबभउलस्स केसरा ।

अज्ज तुज्स करफंससंगिहिं ते दुअंति मह अंगहिं णिज्जिदा ।।

Above verse is taken from this book :

उवरि-उत्ता गाहा इमम्मि गंथे अत्थि –

उपर्युक्त गाथा इस ग्रंथ से ली गयी है –

(A) मृच्छकटिंकं

(B) श्रृंगारमञ्ज

(C) आनन्दमञ्जरी

(D) कर्पूरमञ्जरी

25. Ānandasundarī is written by :

आणंदसुंदरी इमेण लिहिदा –

आनन्दसुन्दरी इनके द्वारा लिखी गयी है –

(A) मार्कण्डेय

(B) घनश्याम

(C) प्रसन्न चन्द्र

(D) विश्वेश्वर

26. Match each author from Part-I and his work from Part-II and choose correct answer :

पढम-खण्डत्तो पच्चेग-लेहगस्स वीयो-खण्डत्तो तेसं गंथं-मेलणं कुरु तह य सुट्ठु उत्तरं दिह –

प्रथम भाग से प्रत्येक लेखक और द्वितीय भाग से उनके कार्यों का मिलान कीजिए तथा सही उत्तर का चुनाव कीजिए –

I	II
(a) रुद्रदास	(i) सिंगारमञ्जरी
(b) मार्कण्डेय	(ii) रम्भामञ्जरी
(c) विश्वेश्वर	(iii) आनन्दसुन्दरी
(d) प्रसन्नचन्द्र	(iv) चंदलेहा

(A) (a) + (iv)

(B) (b) + (iii)

(C) (c) + (ii)

(D) (d) + (i)

27. किं अच्छध वीसद्धा जो सो गोबाल-दारओ बद्धो ।

भेत्तूण समं वच्चइणरवइहिअअंअ बन्धणं चावि ।।

Above verse is taken from this book :

उवरि-उता गाहा इमम्मि गंथे अत्थि –

उपर्युक्त गाथा इस ग्रंथ से ली गयी है –

(A) रम्भामञ्जरी (B) मृच्छकटिकं

(C) शारिपुत्रप्रकरण (D) आनन्दमञ्जरी

28. 'प्राकृतसर्वस्व' is composed by –

'प्राकृतसर्वस्व' गंथस्स लेहगो अत्थि –

'प्राकृतसर्वस्व' के लेखक हैं –

(A) त्रिविक्रम (B) मार्कण्डेय

(C) हेमचन्द्र (D) चण्ड

29. The work of prosody in Prakrit is –
इमं पाइयभासाए छंदसत्थस्स गंथं अत्थि –
यह प्राकृत में छन्दशास्त्र का ग्रन्थ है –
(A) वृत्तजातिसमुच्चय
(B) प्राकृतानन्द
(C) श्रृंगारमंजरी
(D) देशीनाममाला

30. 'पाइयलच्छीनाममाला' work is related to –
'पाइयलच्छीनाममाला' गंथस्स इमेण संबधो अत्थि –
'पाइयलच्छीनाममाला' का इससे सम्बन्ध है –
(A) छन्द (B) व्याकरण
(C) कोश (D) अलंकार

31. The work Nanditāḍhya is –
नंदिताढ्येण लिहियं गंथं अत्थि –
'नन्दिताढ्य' द्वारा लिखित ग्रन्थ है –
(A) छन्दकोश (B) प्राकृतपेंगल
(C) कविदर्पण (D) गाहालक्खण

32. Sāurseni form of the word गच्छति is this –
'गच्छति' सद्दस्स सोरसेणीरूवो हवदि –
'गच्छति' शब्द का शौरसेनी रूप यह होता है –
(A) गच्छइ (B) गच्छते
(C) गच्छदि (D) गच्छउ

33. The case ending in the word 'पुरिसाणं' is
'पुरिसाणं' सद्दे इमा विहत्ती अत्थि –
'पुरिसाणं' शब्द में यह विभक्ति है –
(A) प्रथमा (B) षष्ठी
(C) द्वितीया (D) सप्तमी

34. This word is the example of the loss of final consonant –
अंतवंजण-लोवस्स उदाहरणं इदं अत्थि –
अन्त्य व्यंजन लोप का उदाहरण यह है –
(A) ताव (B) रायडलो
(C) पुरिसो (D) देवेहि

35. Sandhi of अ/आ + इ/ई in Prakrit Language becomes as –
पाइयभासाए अ/आ + इ/ई सराणं संधि होई –
प्राकृत भाषा में अ/आ + इ/ई की संधि होती है –
(A) ऐ (B) उ
(C) ए (D) ओ

36. The compound of the word 'Jidindio' (जिदिन्दियो) is
जिदिन्दियो पदे समासो अत्थि –
जिदिन्दियो पद में समास है –
(A) द्वन्द्व (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) बहुब्रीहि

37. In Prakrit, the word 'औषध' changes in to –
पाइय-भासाए 'औषध' सद्दस्स परिवत्तणं इमम्मि रूवे हवइ -
प्राकृत में 'औषध' शब्द का परिवर्तन इस रूप में होता है –
(A) ओसथ (B) औहह
(C) ओषह (D) ओसह

38. This is the example of change of consonant –
इदं वंजण परिवत्तणस्स उदाहरणं अत्थि –
यह व्यंजन परिवर्तन का उदाहरण है –
(A) कोत्थुहो (B) णयणं
(C) वच्छो (D) देवो

39. This is not a Sattaka :
इमो सट्टगो णत्थि :
यह सट्टक नहीं है :
(A) कर्पूरमंजरी (B) प्रवचनसार
(C) चंदलेहा (D) आनंदसुंदरी

40. RājaŚekhara is the author of –
राजसेखरो इमस्स गंथस्स रयायियो अत्थि –
राजशेखर इस ग्रंथ का रचयिता है –
(A) श्रृंगारमंजरी (B) रंभामंजरी
(C) कर्पूरमंजरी (D) आनंदसुंदरी

41. The romantic description of village life is found in this work :
गामीण - जीवणस्स सरस - वण्णणं इमम्मि गंथे पत्तमत्थि:
ग्रामीण जीवन का सरस वर्णन इस ग्रंथ में प्राप्त है :
(A) लीलावई (B) सेतुबंध
(C) गउडवहो (D) गाथासप्तशती

42. The author of Kuvalayamālākahā is :
कुवलयमालाकहा – गंथस्स लेहगो अत्थि :
कुवलयमालाकहा ग्रंथ का लेखक है :
(A) जिनसेन (B) नयसेन
(C) उद्योतनसूरि (D) सोमदेवसूरि

43. The heroin of Mṛcchakatikam drama is :
मृच्छकटिकं - नाडगस्स णाइगा इमा अत्थि :
मृच्छकटिकं नाटक की नायिका यह है :
(A) वासवदत्ता (B) देवदत्ता
(C) शकुंतला (D) वसंतसेना

44. These substances are described in Dravya-Sangraha text :
दव्वसंगहे गंथे इमाणं दव्वाणं विवेयणं अत्थि :
द्रव्यसंग्रह ग्रंथ में इन द्रव्यों का विवेचन है :
(A) दस (B) चार
(C) छह (D) पांच

45. Nemichandracārya is the author of –
नेमिचंद्राचार्य इमस्स गंथस्स रयइया अत्थि –
नेमिचंद्राचार्य इस ग्रंथ के रचयिता हैं –
(A) द्रव्यसंग्रह
(B) समयसार
(C) कषायप्राभृत
(D) सन्मतितर्क प्रकरण

46. KundaKundācārya is the author of –
कुंदकुंदाचार्य इमस्स गंथस्स लेहगो अत्थि :
कुंदकुंदाचार्य इस ग्रंथ का लेखक है :
(A) द्रव्यसंग्रह
(B) प्रवचनसार
(C) सेतुबंध
(D) सन्मतितर्कप्रकरण

47. "जीवो उवओगमओ अमुत्ति कत्ता सदेह परिमाणो ।"
This line is taken from this text :
इमा पंति इमम्मि गंथे पत्तमत्थि ।
यह पंक्ति इस ग्रंथ में प्राप्त है ।
(A) प्रवचनसार (B) गोम्मट्टसार
(C) षट्खंडागम (D) द्रव्यसंग्रह

48. The subject – matter of Sanmāti-tarka-prakaraṇa is :
सन्मतितक्कप्रकरण गंथस्स विसयवत्थू अत्थि –
सन्मतितर्कप्रकरण ग्रंथ की विषयवस्तु है –
(A) अनेकान्तवाद (B) ईश्वरवाद
(C) शून्यवाद (D) विज्ञानवाद

49. The author of Nāyakumāra – cariu is –
णायकुमारचरिउ गंथस्स लेहगो अत्थि –
णायकुमारचरिउ ग्रंथ के लेखक हैं –
(A) कनकामर (B) हेमचन्द्र
(C) शुभचन्द्र (D) पुष्पदन्त

50. 'नभिपव्वज्जा' is the part of this text –
'नभिपव्वज्जा' अस्स गंथस्स भागो अत्थि –
'नभिपव्वज्जा' इस ग्रंथ का भाग है –
(A) आचारांग (B) उत्तराध्ययन
(C) प्रवचनसार (D) सेतुबन्ध

Space For Rough Work